

राज्यों के वित्तीय अनुशासन को सुनिश्चित करने में CAG की भूमिका है: लोक सभा अध्यक्ष

..

ऑडिट खामियों को निकालने की प्रक्रिया नहीं है बल्कि उन्हें दूर कर सुधार की प्रक्रिया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

संसदीय लोकतंत्र में शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही मूलमंत्र: लोक सभा अध्यक्ष

...

सदन में CAG रिपोर्ट पर दल से ऊपर उठकर चर्चा होती है: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने लेखापरीक्षा दिवस और लेखापरीक्षक सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित किया

...

नई दिल्ली; 17 नवम्बर, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज नई दिल्ली में लेखापरीक्षा दिवस और लेखापरीक्षक सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि सीएजी दुनिया के सबसे प्रभावी और प्रतिष्ठित ऑडिट संस्थानों में से एक है। उन्होंने कहा कि सदन और संसदीय समितियों के भीतर सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा और सकारात्मक सुझाव देश के लोकतंत्र को मजबूत करता है। श्री बिरला ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि सीएजी रिपोर्ट पर सदन में पार्टी लाइन से परे जाकर चर्चा की जाती है और राष्ट्र के हित में निर्णय लिए जाते हैं।

CAG की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस संस्थान को संविधान ने व्यापक और सक्रिय भूमिका प्रदान की है और सुनिश्चित किया है कि उनकी निष्ठा केवल संविधान और राष्ट्र के प्रति हो। उन्होंने आगे कहा कि CAG सभी हितधारकों को आश्चस्त करती है कि सरकारी निधियों का उपयोग दक्षतापूर्वक और नियत प्रयोजन हेतु ही किया जा रहा है। श्री बिरला ने कहा कि अपनी बेस्ट practices के कारण CAG विश्व की अग्रणी ऑडिट संस्था है और लोक वित्त एवं शासन से संबन्धित स्वतंत्र, विश्वसनीय, संतुलित और समय बद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए उन्हें पूरे विश्व में जाना जाता है।

बदलते परिप्रेक्ष्य में CAG की बढ़ती भूमिका के विषय में श्री बिरला ने कहा कि CAG रिपोर्टों का महत्व बढ़ा है तथा देश में लेखापरीक्षा की प्रासंगिकता और बढ़ी है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार के कामकाज का आकलन करते समय CAG के पास outsider viewpoint होता है, जिससे वित्तीय बचत व कुशल कार्ययोजना में

वृद्धि होती है। संसदीय लोकतंत्र में शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही को मूलमंत्र बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि जनता के धन का ईफेक्टिव और efficient उपयोग संसद और शासन दोनों का ध्येय है। इस संबंध में, श्री बिरला ने राज्यों के वित्तीय अनुशासन को सुनिश्चित करने में सीएजी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

देश की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि डिजिटल ईकानमी के दौर में सशक्त डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल वित्तीय रिकार्ड CAG की भूमिका को और भी चुनौतीपूर्ण बनाने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल और प्रशिक्षण के साथ साथ नवीनतम तकनीक में पारंगत होना आवश्यक है। श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि CAG ऑडिटिंग के क्षेत्र में देश की आवश्यकताओं के अनुसार नवाचारों को अडाप्ट कर रही है जो उसे और अधिक सशक्त और Productive बनाएंगे।

इस अवसर पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री गिरीश चंद्र मुर्मू ने स्वागत भाषण दिया।